एनएबीएल ने दिया सर्टिफिकेट

रिपोर्ट में आया मेडिकल कॉलेज की जांचें 100 फीसदी प्रमाणित

रतलाम. मेडिकल कॉलेज की तीनों लैबों में होने वाली जांचें 100 फीसदी सही और प्रामाणिक पाई गई है। इसे लेकर नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) की तरफ से प्रमाण पत्र जारी किया गया है। इस प्रमाण पत्र के मिलने के बाद यहां की जांचें और इनकी रिपोर्टिंग में कोई संदेह नहीं होगा और ये पूरे देश के किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल में मान्य की जा सकेगी। एनएबीएल का प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाली मेडिकल कॉलेज की लैब जिले में पहली और प्रदेश में संभवतः पांचवीं लैब है। इसके पहले इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर के मेडिकल कॉलेजों को यह प्रमाण पत्र मिला हुआ है। एनएबीएल से यह प्रमाण पत्र हाल ही में मेडिकल कॉलेज को मिला है।

मेडिकल कॉलेज में माइक्रोबायोलॉजी, पैथालॉजी और बायोकैमेस्ट्री की लैबें संचालित हो रही हैं। इनमें अलग-अलग तरह की जांचें की जाती हैं। इन जाचों की प्रमाणिकता जांचने के लिए इक्वास प्रोग्राम के तहत क्रॉस जांचें राष्ट्रीय लेबोरेटरी में की जाती है। ये जांचें एक ही तरह के दो सेंपल पर दोनों जगह (मेडिकल कॉलेज और राष्ट्रीय लैब में) की जाती है। दोनों जगह के रिपोर्टिंग को मैच किया जाता है। ऐसा एक-दो नहीं कई बार अलग-अलग तरह के सेंपल की जांच में किया जाता है। इसके बाद ही यह प्रमाण पत्र दिया जाता है। रतलाम का मेडिकल कॉलेज इसमें पूरी तरह से सफल हुआ है। इक्वास प्रोग्राम के तहत मेडिकल कॉलेज को यह प्रमाण पत्र देने के पहले केंद्रीय टीम मई माह में यहां आकर इंटरनल और एक्सटर्नल असेसमेंट करके जा चुकी है। टीम ने भी यहां किसी तरह की कोई कमी नहीं देखी। जांचों की सटिकता और असेसमेंट के आधार पर ही प्रमाण पत्र दिया जाता है।

> एनएबीएल का प्रमाण पत्र हमारे मेडिकल कॉलेज की लेबोरेटरी को मिलना बहुत बड़ी बात है। यह प्रमाण पत्र बहुत कठिन चरण से गुजरने के बाद दिया जाता है।

हमें खुशी है कि हमारे तीनों ही डिपार्टमेंट माइक्रोबायोलॉजी, पैथालाजी और बायोकैमेस्ट्री बेहतर काम कर रहे हैं। **डॉ. अनिता मुथा,** डीन मेडिकल कॉलेज

Scanned with AltaScanner